# DAB – 470

## Second Year B.A. Degree Examination, August/September 2008
## Directorate of Correspondence Course
## HINDI (Optional) (Paper – II)
## (Hindi Kavya Sahitya)
## काव्य कुसुम

Time : 3 Hours  Max. Marks : 70

I. किन्हीं **चार** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(4×5=20)**

अ) जा कारण जग ढूँढिया, सों तो घट ही माहिं
परदा दीया भरम का, ता ते सूझे नाही ।।

आ) मैया मै नाहिं माखन खायौ ।
ख्याल परै ये सखा सबै मिलि, मेरैं मुख लपटायौ ।
देखि तुही सीके पर भाजन, ऊँचै धरी लटकायौ ।
हौं जु कहत नान्हे कर अपनैं मैं कैसी करि पायौ ।
मुख दधि पोंछि, बुद्धि इक कीन्हीं दोना पीठी दुरायौ ।
डारि, साँटि, मुसुकाइ जसोदा, स्यामहि कंठ लगायौ ।

इ) पदकमल धोइ चढ़ाइ नाव न नाथ उतराई चहौं ।
मोही राम राउरि आन दसरथ सपथ सब साँची कहौं ।।
बरू तीर मारहु लषनु पै जब लगि न पाय पखारिहौं ।
तब लगि न तुलसीदास – नाथ कृपालु पारू उतारिहौं ।।

ई) रहि मन वे नर मर चुके, जे कहुँ माँगन जाहि ।
उनते पहले वे मुए, जिन मुख निकसत नाहिं ।।

उ) कनक कनक ते सौगुनी माधकता अधिकाय
वहि खये बौराय नर यही पाये बौराय ।।

II. किन्हीं **चार** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(4×5=20)**

ए) हिमालय के आंगन में उसें,
प्रथम किरणों का वे उपहारा
उषा ने हँस अभिनंन्दन किया,
और पहनाया हीरक हार ।।

**P.T.O.**

ऐ) कुसुमों के जीवन का पल,
हँसता ही जग में देखा,
इन म्लन, मलिन अधरों पर
स्थिर रही न स्मिति की रेखा।

ओ) वह इष्ट देव के मंन्दिर की पूजा-सी,
वह दीप-शिखा-सी शान्त, भाव में लीन,
वह क्रूर काल ताण्डव की स्मृति-रेखा-सी,
वह टूटे तरू की छुटी लता-सी दीन-
दलित भारत की ही विधवा है।

औ) तू वह, नर ने जिसे बहुत ऊँचा चढकर पाया था,
तू वह, जो संन्देश भूमि को अम्बर से आया था,।
तू वह, जिसका ध्यान आज भी मन सुरभित करता है,
थकी हुई आत्मा में उडने की उमंग भरता है।
गंध-निकेतन इन अदृश्य उपवन को नमन करूँ मै ?
किसकों नमन करूँ मैं भारत ? किसको नमन करूँ मैं ?

अं) मुसलमान और हिन्दू है दो।
एक मगर उनका प्याला
एक मगर उनका मदिरालय
एक मगर उनकी हाला।

EXAM 2008

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(1×10=10)**

क) कबीर के व्यक्ति और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

ख) सूरदासजी की रचना में व्यक्त बाललीला का वर्णन कीजिए ?

ग) तुलसीदासजी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालिए।

IV. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(2×10=20)**

च) कवि के अनुसार सच्चे विद्यार्थि में कौन-कौन से गुण रहना चाहिए ?

छ) पंतजी के अनुसार 'सुख-दुख' को कैसे स्वीकार करना चाहिए ?.

ज) 'भारत की विधवा' में व्यक्त भारत की विधवाओं की समस्याओं की चर्चा कीजिए ?

झ) 'मधुशाला' कविता का भावार्थ लिखिए।